विषय : भूगोल
कक्षा–12

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2020–21 में समय से विद्यालयों में पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् लगभग 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

खण्ड–क

इकाई–4 –परिवहन,संचार एवं व्यापार

- ❖ भू–परिवहन– सड़कें, रेलमार्ग, अन्तर्महाद्वीपीय रेलमार्ग।
- ❖ जल–परिवहन– अन्तर्देशीय जलमार्ग, प्रमुख समुद्री मार्ग।
- ❖ वायु–परिवहन– अन्तर्महाद्वीपीय वायु मार्ग।
- ❖ तेल तथा गैस पाइप लाइनें।
- ❖ उपग्रह संचार तथा साइबर स्पेस– भौगोलिक सूचनाओं का महत्व तथा उपयोग।
- ❖ अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार– आधार तथा बदलते प्रतिमान; अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश मार्ग के रूप में पत्तन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका।

खण्ड–ख

इकाई–8 –संसाधन एवं विकास

- भू–संसाधन– कृषि भूमि उपयोग; भौगोलिक दशाएँ तथा मुख्य फसलों का वितरण (गेहूँ, चावल, चाय, काफी, कपास, जूट, गन्ना तथा रबड़) कृषि विकास तथा समस्याएँ।
- उद्योग– प्रकार, औद्योगिक स्थिति (Location) के कारण; चुने हुए उद्योगों का वितरण एवं बदलती पद्धतियाँ (Changing Pattern)लोहा एवं इस्पात; सूती वस्त्र, चीनी, पेट्रोकेमिकल, ज्ञान आधारित उद्योग, की स्थिति पर उदारीकरण, निजीकरण तथा भूण्डलीकरण का प्रभाव; औद्योगिक प्रवेश।

इकाई–9–परिवहन, संचार तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार–

- परिवहन एवं संचार– सड़कें, रेलमार्ग, जलमार्ग तथा वायुमार्ग; तेल तथा गैस पाइपलाइन; भौगोलिक सूचना एवं संचार नेटवर्क।
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार – भारत के विदेशी व्यापार के बदलते पैटर्न पत्तन तथा उनके पृष्ठ प्रदेश एवं हवाई अड्डे।

खण्ड–ग प्रयोगात्मक कार्य

इकाई–2

क्षेत्रीय अध्ययन (Field Study) या स्थान का सूचना प्रौद्योगिकी :
किसी एक क्षेत्रीय समस्या पर सर्वेक्षण– प्रदूषण, भूमिगत जल परिवर्तन, भूमि उपयोग तथा भूमि उपयोग परिवर्तन, गरीबी, ऊर्जा संबंधी मुद्दे, मृदा क्षरण, सूखा तथा बाढ़ का प्रभाव, विद्यालयों, बाजारों तथा घरों के आस–पास सर्वेक्षण (अध्ययन के लिये कोई एक क्षेत्रीय समस्या) चुनी जा सकती है; आँकड़ों के संग्रहण हेतु निरीक्षण तथा प्रश्नावली का उपयोग किया जा सकता है, संग्रहीत आँकड़ों को चित्रों तथा मानचित्रों की सहायता से सारणीबद्ध तथा विश्लेषित किया जा सकता है) समाज की विभिन्न

समस्याओं को और गहराई से समझने के लिये छात्रों को भिन्न–भिन्न विषय दिये जा सकते हैं।

स्थानित (Spatial) सूचना प्रौद्योगिकी

भौगोलिक सूचना तन्त्र (Geographical Information System) –

साफ्टवेयर मॉड्यूल तथा हार्डवेयर आवश्यकताएँ; आँकड़ों का प्रारूप; रेखापुंज (त्ॅंजमत) तथा सदिश (टममजवत), आँकड़े; आँकड़ों का प्रविष्टि; संपादन तथा आँकड़ों का विश्लेषण; ओवरले तथा बफर।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय : भूगोल

कक्षा–12

लिखित (केवल प्रश्नपत्र) – 70 अंक प्रयोगात्मक – 30 अंक

खण्ड 'क'	मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त	35 अंक
	इकाई–1 : मानव भूगोल	30 अंक
	इकाई–2 : जनसंख्या	
	इकाई–3 : मानव क्रियाएँ	
	इकाई–5 : मानव बस्तियाँ	
	मानचित्र कार्य	05 अंक
खण्ड 'ख'	भारत : लोग एवं अर्थव्यवस्था	35 अंक
	इकाई–6 : जनसंख्या	30 अंक
	इकाई–7 : मानव बस्तियाँ	
	इकाई–8 : संसाधन एवं विकास	
	इकाई–10 : भौगोलिक परिपेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	
	मानचित्र कार्य	05 अंक
खण्ड 'ग'	प्रयोगात्मक कार्य	30 अंक
वाह्य परीक्षक	1.ईकाई–1 से 4 तक पर आधारित लिखित परीक्षा	10 अंक
	2 मौखिकी निर्देष– वाह्य परीक्षक के समने प्रयोगात्मक अभ्यास पुस्तिका, चार्ट / माडल प्रस्तुत करना अनिवार्य है।	05 अंक
आंतरिक परीक्षक	1– माडल / चार्ट 2– प्रयोगात्मक अभ्यास पुस्तिका एवं मौखिकी	5 अंक 5+5 अंक

<u>खण्ड 'क'</u>

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त (35 अंक) 3 घण्टे

इकाई–1 – मानव भूगोल

(प) मानव भूगोल : प्रकृति तथा विषय क्षेत्र

इकाई–2 – जनसंख्या–

(प) जनसंख्या–वितरण, घनत्व तथा वृद्धि

(पप) जनसंख्या परिवर्तन–स्थानिक, प्रतिमान, जनसंख्या परिवर्तन के निर्धारक तत्व

(पपप) आयु–लिंग अनुपात, ग्रामीण–शहरी संघटन

(पअ) मानव विकास–अवधारणा, चुने हुए संकेतक, अन्तर्राष्ट्रीय तुलनाएँ

इकाई–3 – मानव क्रियाएँ (विकास)

(प) प्राथमिक क्रियाएँ– अवधारणा एवं बदलती प्रवृत्तियाँ, संग्रहण (ळंजीमतपदह), पशुचारण (च्ैंजवबंस), खनन, निर्वाद कृषि, आधुनिक कृषि, कृषि तथा संबंधित क्रियाओं में संलग्न लोग – चयनित कुछ देशों के उदाहरण।

(पप) द्वितीयक क्रियाएँ– अवधारणा, उत्पादन, प्रकार– घरेलू, लघुस्तर, वृहद स्तर, कृषि एवं खनिज आधारित उद्योग, द्वितीयक क्रियाओं में संलग्न लोग – कुछ देशों के उदाहरण।

(पपप) तृतीयक क्रियाएँ – अवधारणा , व्यापार, परिवहन एवं पर्यटन, सेवाएँ, तृतीयक क्रियाओं में संलग्न लोग– कुछ देशों के उदाहरण।

(पअ) चतुर्थक क्रियाएँ – अवधारणा, चतुर्थक क्रियाओं में संलग्न लोग – चुने हुए देशों से केस अध्ययन।

इकाई–5 –

मानव बस्तियाँ– ग्रामीण बस्तियॉ– प्रकार एवं वितरण नगरीय बस्तियॉ– प्रकार के वितरण एवं आर्थिक वर्गीकरण, विकासशील देशों में मानव बस्तियों की समस्याएँ।

यूनिट 1 से 5 में से मानचित्र कार्य पांच प्रष्न– 5 अंक

नोट– एक से पाँच यूनिट तक से सम्बन्धित भू–दृश्यों/राजनैतिक और भौतिक मानचित्र का दृश्यांकन–1/2 अंक सही उत्तर एवं 1/2 अंक सही स्थान हेतु निर्धारित हैं। दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए मानचित्र कार्य के स्थान पर 05 प्रश्न रखे जांय जो मानचित्र से संबंधित होंगे।

खण्ड 'ख'

भारत : लोग एवं अर्थव्यवस्था 35 अंक

इकाई–6 – जनसंख्या–: वितरण, घनत्व एवं वृद्धि, जनसंख्या का संघटन– भाषायी, धार्मिक, लिंग, जनसंख्या वृद्धि में ग्रामीण–शहरी एवं व्यावसायिक–क्षेत्रीय भिन्नताएँ।

- प्रवास – अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय–कारण एवं परिणाम।
- मानव विकास – चुने हुए संकेतक तथा क्षेत्रीय पैटर्न।
- जनसंख्या, पर्यावरण तथा विकास।

इकाई–7 – मानव बस्तियाँ–

- ग्रामीण बस्तियाँ – प्रकार एवं वितरण
- शहरी बस्तियाँ – प्रकार, वितरण तथा क्रियात्मक वर्गीकरण।

इकाई–8 – संसाधन एवं विकास–जल संसाधन – उपलब्धता तथा उपयोग – सिंचाई, घरेलू, औद्योगिक तथा अन्य उपयोग; जल की कमी तथा संरक्षण विधियाँ – रेन वाटर हारवेस्टिंग तथा वाटरशेड प्रबन्धन।

- खनिज तथा ऊर्जा संसाधन –धात्विक (लौह अयस्क), ताँबा बॉक्साइड, मैगनीज तथा अधात्विक (अभ्रक) खनिज, पारम्परिक (कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा जलविद्युत) तथा गैर पारम्परिक (सौर, वायु तथा बायोगैस) ऊर्जा स्त्रोत तथा उनका संरक्षण।
- भारत में नियोजन – लक्ष्य क्षेत्र नियोजन (केस अध्ययन) सतत् पोषणीय विकास का विचार (केस अध्ययन)।

इकाई–10– भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ।

- पर्यावणीय प्रदूषण; शहरी कूड़ा निस्तारण।
- शहरीकरण, ग्रामीण – शहरी प्रवास, झुग्गियों की समस्याएँ।
- भूमि अपक्षय

यूनिट 6 से 10 में से मानचित्र कार्य 5 प्रश्न। 5 अंक

नोट– छः से दस यूनिट तक से सम्बन्धित भू–दृश्यों/राजनैतिक और भौतिक मानचित्र का दृश्यांकन–1/2 अंक सही उत्तर एवं 1/2 अंक सही स्थान हेतु निर्धारित हैं। दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए मानचित्र कार्य के स्थान पर 05 प्रश्न रखे जांय जो मानचित्र से संबंधित होंगे।

खण्ड 'ग'

प्रयोगात्मक कार्य 30 अंक

आंकड़ों के स्त्रोत एवं संकलन (प्रोसेसिंग) तथा विषय आधारित (थीमैटिक) मानचित्रण।

- आंकड़ों के स्त्रोत तथा प्रकार– प्राथमिक , द्वितीय तथा अन्य स्त्रोत।
- आंकड़ों का प्रकमण एवं सारणीयन औसत माध्य की गणना; केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप, विचलन तथा सहसम्बन्ध।
- आंकड़ों का आलेखीय निरूपण(प्रस्तुतीकरण) – चित्रों का निर्माण; दण्ड आरेख, चक्र आरेख तथा फ्लोचार्ट, विषय आधारित (थीमैटिक) मानचित्र, बिन्दू निर्माण, कोरोप्लाथ तथा आइसोप्लेथ मानचित्र।
- आंकड़ों का प्रकमण तथा मानचित्रण में कम्प्यूटर का उपयोग।

कक्षा–12

प्रयोगात्मक अंक विभाजन

न्यूनतम अंक – 10

अधिकतम अंक– 30

बाह्य मूल्याँकन– 15 अंक

निर्धारित अंक–

1. लिखित परीक्षा–6 प्रश्नों में से केवल 4 प्रश्न — 10 अंक
2. मौखिक परीक्षा, अभ्यास पुस्तिका माडल/चार्ट — 05 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 अंक

1 माडल/चार्ट — 05 अंक
2. प्रयोगात्मक अभ्यास पुस्तिका एवं मौखिकी — 05+05 अंक

खण्डों का मूल्यांकन आन्तरिक व बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से किया जायेगा।

भूगोल

कक्षा–12

प्रश्नों के प्रकार	कुल प्रश्नों की संख्या	प्रश्नों का अंक	कुल अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न	08	01	08
अतिलघु उत्तरीय प्रश्न	08	02	16
लघु उत्तरीय प्रश्न	06	04	24
दीर्घ लघु उत्तरीय प्रश्न	02	06	12
मानचित्र	02	05	10
05 अंक भारत के संदर्भ में 05 अंक विश्व के संदर्भ में			
	योग –		70

प्रयोगात्मक – 30

लिखित – 70

प्रयोगात्मक – 30

कुल योग – 100